

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 30 अप्रैल, 1987

क्रमांक 353-ज(1)-87/13842.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री लखा सिंह, पुत्र श्री भाग सिंह, गांव जलवी, तहसील अम्बाला, जिला अम्बाला, को रबी, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक युद्ध जागीर तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 377-ज(2)-87/13846.—श्री मोहर सिंह, पुत्र श्री सुखदेव सिंह, गांव घवाना, तहसील रिवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 29 जुलाई, 1983, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री मोहर सिंह की मुलियत 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1959-ज-(1)-75/25206, दिनांक 18 अगस्त, 1975 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती चम्पा देवी के नाम रबी, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 5 मई, 1987

क्रमांक 390-ज-(2)-87/14338.—श्री जगदीश प्रसाद, पुत्र श्री राम जी लाल, गांव खेड़ी तलवाना, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ की दिनांक 24 अक्टूबर, 1986, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री जगदीश प्रसाद की मुलियत 300 रुपये वार्षिक की युद्ध जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1036-ज-(1)-81/25944, दिनांक 24 जुलाई, 1981, द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती मूरती देवी के नाम खरीफ, 1987, से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 6 मई, 1987

क्रमांक 427-ज-(1)-87/14462.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती घाबो देवी, विधवा हजारी लाल, गांव सिसाना, तहसील सोनीपत, जिला सोनीपत, को रबी, 1982 से 300 रुपये वार्षिक युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

सोम नाथ, अव्वर सचिव।

EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

The 1st May, 1987

No. 1968-ET-4-87/14016.—Shri Gokal Chand, Joint Excise and Taxation Commissioner, retired from Government Service on the afternoon of 30th April, 1987.

S. N. PURI, Jt Secy.